Roll. No. :

S-3134

M.A. (III Sem.) Examination, 2024-25

हिन्दी

[Paper - IV ग (PGHIN-304)]

[हिन्दी नाटक एवं रंगमंच]

Time : 2:30 Hours] [M.M. : 80

नोट: इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं– खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब'। खण्ड 'अ' तथा 'ब' से किन्हीं चार चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही कीजिए। अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×5 = 20

1. 'अंधेर नगरी' नाटक का सारांश लिखिये।
2. 'आधे–अधूरे नाटक महानगरों में रहने वाले मध्यमवर्गीय जीवन की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं का चित्रण है।" स्पष्ट कीजिये।
3. 'संशय की एक रात' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिये।

https://www.sdsuvonline.com

3. जयशंकर प्रसाद कृत 'पुरस्कार' कहानी का सारांश लिखिए।
4. 'प्रसाद' जी के ऐतिहासिक नाटकों का नामोल्लेख कीजिए।
5. 'आकाशदीप' कहानी का मूल उद्देश्य बताइए।
6. 'प्रसाद' जी के लहर काव्य संग्रह में संकलित 'बीती विभावरी जाग री' काव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
7. 'प्रसाद' जी के कुल कितने कहानी संग्रह हैं? प्रसाद जी के कहानी संग्रह का नामोल्लेख कीजिए।
8. 'प्रसाद' जी की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 4×15 = 60

1. नाटक तत्व के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए।
2. 'कामायनी' महाकाव्य का सारांश विस्तारपूर्वक लिखिए।
3. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए–

   नील परिधान बीच सुकुमार, खुल रहा मृदुल अधखुला अंग।
   खिला हो ज्यों बिजली का फूल, मेघवन बीच गुलाबी रंग।।
   आह वह मुख? पश्चिम के व्योम बीच, जब घिरते हों घनश्याम।
   अरुण रवि–मंडन उनको, भेद दिखाई देता हो छविधाम।।
4. 'जयशंकर प्रसाद' के काव्य के भाव पक्ष या अनुभूति पक्ष का विवेचन कीजिए।
5. 'जयशंकर प्रसाद' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
6. उपन्यास तत्व के आधार पर 'कंकाल' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।
7. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में नारी–समस्या को प्रतिपादित कीजिए।
8. 'कामायनी' के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए।

••••••••••••

https://www.sdsuvonline.com